मौत के कगार पर खड़ी युवती को मिलेगा नया चेहरा, नई जिन्दगी

बीएलके सुपर स्पैशलिटी अस्पताल के डाक्टरों ने कर दिखाया ऐतिहासिक कारनामा

नई दिल्ली, (जे.के. पुष्कर): मेडिकल साइंस में नित्य नई खोज और डाक्टरों द्वारा दुर्लभ चिकित्सीय कार्यप्रणाली में नए प्रयोग करने व कामयाबी मिलने के बाद यह कहा जा सकता है कि दुनिया के नक्शे में भारतीय डाक्टर भी कामयाबी हासिल करने में पीछे नहीं है।

इसका ताजा उदाहरण है राजधानी दिल्ली में बीएलके सुपर स्पेशलिटी अस्पताल द्वारा तेजाबी हमले की शिकार एक युवती को रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी कर उसको नया चेहरा प्रदान करना। अस्पताल का दावा है कि इस किस्म की दुनिया की पहली सीरियल रिकंस्ट्रक्टिव सर्जिकल प्रक्रिया 18 वरिष्ठ डाक्टरों की टीम द्वारा शुरू की गई है। इस प्रक्रिया की प्रथम सर्जरी सरकार से इच्छा मृत्यु की मांग करने वाली सोनाली मुखर्जी के चेहरे पर की जा रही है, जो कि तेजाब से बुरी तरह से झुलसी हुई है। आज बीएलके सुपर स्पेशलिटी अस्पताल व रेडियंट लाइफ केयर ने संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि सोनाली के सामान्य चेहरे व जीवन को बहाल करने के लिए सोमवार को पहली सर्जरी की जायेगी। आगामी 12 महीनों की अवधि में सोनाली के 6 या 7 आपरेशन होंगे, जिसे विशेषज्ञों की 6 टीमें पूरा करेंगी, ताकि वह एक नया चेहरा पा सके। इन टीमों का नेतृत्व इस अस्पताल के प्लास्टिक व रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी विभाग के प्रमुख डा. अवतार सिंह बाथ करेंगे। संवाददाताओं के समक्ष रेडियंट लाइफ केयर के सीईओ, डीन व निदेशक पद्मश्री डा. संजय बगाई, डा. विकास मेनन, डा. सुनील कथूरिया, डा. अवतार सिंह बाथ व आर.के. सिंगल ने बताया कि टोटल फेशियल रिकंस्ट्रक्शन और मल्टी आर्गन इन्वाल्मेंट के लिए यह एक उच्च मिश्रित बहुविषयी मल्टीपल सर्जरी है। डा. बाथ ने बताया कि जिन प्रक्रियाओं की योजना बनाई गई है, उनमें पोस्ट बर्न अपर लिड ऐक्ट्रोपियान, कांटैक्वर्स रिलीज, जेड प्लास्टिक स्पिल्ट स्किन ग्राफ्टिंग के इस्तेमाल से खराबी की पुनर्रचना, सीरियल स्कैल्प ऐक्सपेंशन, सिर की त्वचा के भीतर एक्सपेंडर प्लेसमेंट ताकि बाद में केशरहित ग्राफ्टेड स्कैल्प को कवर किया जा सके तथा माइक्रोस्कोपिक वैस्कुलर व रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी की विविध नई तकनीकें हैं।

एनेस्थिसियोलाजी विभाग के प्रमुख डा. यू.के. वलेचा ने कहा कि सिर और गर्दन की रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के लिए एनेस्थिसिया देना हमेशा बहुत खास और पेचीदा होता है। सुरक्षा के लिए वायुमार्ग, रक्तस्राव व शल्य चिकित्सा के बाद होने वाले दर्द जैसे पहलुओं का ख्याल रखते हुए यह काम बेहद सटीकता से किया जाता है।

ईएनटी व कोक्लियर इम्प्लांट के वरिष्ठ सलाहकार डा. कथूरिया ने कहा कि सोनाली 60 डीबी के बहरेपन से पीड़ित है। सीटी स्कैन में आसिकुलर चेन व मध्यम कान क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहे हैं। इस कारण कान के पर्दे की पुनर्रचना के लिए टाइमपैनोप्लास्टी सर्जरी की जाएगी तथा सुनने की क्षमता में सुधार के लिए तीन मध्य कान हड्डियों का आपरेशन आसिकुलोप्लास्टी करेंगे। आम्थैल्मिक सर्जरी के वरिष्ठ सलाहकार डा. मेनन सोनाली की दृष्टि की बहाली और कार्नियल ट्रांसप्लांट का कार्य करेंगे। इंटर मेडिसिन के वरिष्ठ सलाहकार डा. सिंघल ने कहा कि सोनाली के हायपोथायरायडिज्म को सप्लीमेंट की जरूरत है, यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें थायरायड ग्रंथी पर्याप्त थायरायड हार्मोन नहीं बनाती। उन्होंने कहा कि उसे सप्लीमेंट दिए हैं, जिनसे सुधार हो रहा है। सोनाली का वजन मात्र 35 किलोग्राम है और शारीरिक ढांचा कमजोर है, ऐसे में पोषण एक चुनौती है। 27 वर्षीय सोनाली के शारीरिक पैरामीटरों पर लगातार निगाह रखी जायेगी ताकि आपरेशन के दौरान व उसके बाद होने वाले घटाव-चढ़ाव को बराबर किया जा सके।

डा. बगाई ने बताया कि सोनाली के चहेरे की सर्जरी पर लगभग 30 लाख रुपये खर्च होंगे। यह रकम 'बेटी' नामक एक एनजीओ तथा एक न्यूज चैनल ने जुटाई है। साथ ही इस सर्जरी में बीएलके अस्पताल की तरफ से भी सर्जिकल फीस में छूट दी गई है।

तेजाबी हमले की शिकार सोनाली के बहुत ही विकृत चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी के सफल आपरेशन से उसे नई जिन्दगी देने वाले दिल्ली की पूसा रोड स्थित बी.एल.के. अस्पताल के डाक्टरों की टीम।